अयोध्या, काशी और मथुरा समेत पांच शहरों में चलेंगी सोलर बोट

सरकार की ओर से यह सुविधा देने वाला पहला राज्य बनेगा यूपी

चंद्रभान यादव

लखनऊ। प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अब सोलर बोट चलाने की तैयारी है। पहले चरण में ये अयोध्या, काशी, मथुरा सहित पांच धार्मिक स्थलों पर चलेंगी। इसकी शुरुआत अयोध्या से होगी। यहां एक-एक करोड़ कीमत की दो बोट खरीदने की टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

अयोध्या सोलर सिटी के रूप में विकसित हो रही है। ऐसे में अब यहीं से सोलर बोट की भी शुरुआत होगी। इससे श्रद्धालु सरयू के दर्शन-पूजन कर सकेंगे। जल पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। अयोध्या में बाद काशी, मथुरा, प्रयागराज और गढ़मुक्तेश्वर में सोलर बोट खरीद की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। यहां मार्च 2024 से पहले सोलर बोट संचालन की तैयारी है। इसके बाद अगले सत्र में चित्रकूट, आगरा, गोरखपुर, जौनपुर सहित अन्य नदी के किनारे वाले शहरों में यह सुविधा दी जाएगी। नेडा का प्रयास है कि हर नदी के किनारे बसे शहरों में सोलर बोट का संचालन किया जाए। इससे डीजल से चलने वाली बोट से नदियों में होने वाला प्रदूषण भी खत्म होगा।

नेडा के वरिष्ठ परियोजना अधिकारी एसडी दुबे ने बताया कि सोलर बोट के संचालन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। पांच स्थलों से इसकी शुरुआत करने के बाद प्रदेश के हर धार्मिक स्थल पर इस सुविधा की तैयारी है। उन्होंने दावा किया कि सरकारी क्षेत्र में देश के किसी भी राज्य में यह सुविधा नहीं दी गई है। सोलर बोट शुरू करने वाला उत्तर प्रदेश पहला राज्य होगा।

अयोध्या में दो बोट से होगी शुरुआत

12 से 15 लोग बैठेंगे एक साथ

इस नाव पर एक साथ 12 से 15 लोग बैठ सकेंगे। इसके ऊपर की छत पर सोलर पैनल लगे होंगे। नाव में सौर ऊर्जा एकत्र करने के उपकरण लगे होंगे। इसी से नाव का संचालन होगा।

- केरल स्टेट इनलैंड नेविगेशन कॉरपोरेशन (केएसआईएनसी) ने पहली बार सौर ऊर्जा से चलने वाली नाव लांच की है। इसके ऊपर लगे पैनल से 27 किलोवाट ऊर्जा का उत्पादन होता है। इसे 3.95 करोड़ रुपये से श्रीलंका से मंगाया गया था।

बनेगा 40 मेगावाट का सोलर प्लांट

प्रदेश में सौर ऊर्जा को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। अयोध्या में सभी सरकारी कार्यालयों की छतों पर सोलर प्लांट लग चुके हैं। वहां अब तक करीब 4.8 मेगावाट के रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं। सरयू किनारे 200 करोड़ की लागत से 40 मेगावाट का प्लांट भी लगाया जा रहा है। यहां से तैयार होने वाली बिजली पावर कॉरपोरेशन को उपलब्ध कराई जाएगी।

- मिर्जापुर, महोबा, झांसी सहित अन्य जलाशय वाले इलाकों में खाली पड़ी जमीन पर भी सोलर प्लांट के जरिये बिजली तैयार कर पावर कॉरपोरेशन को उपलब्ध कराई जाएगी। इससे कॉरपोरेशन को महंगी दर पर बिजली नहीं खरीदनी पड़ेगी।

श्रद्धालु व पर्यटकों के लिए रूचिकर होगा। अयोध्या को सोलर सिटी बनाने की दिशा में यही से सोलर बोट की शुरुआत की जाएगी। यहां के सभी सरकारी भवनों के रूफटॉप पर सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। अब निजी भवनों पर लगाने की दिशा में काम चल रहा है। – **अनुपम शुक्ला**, निदेशक नेडा